**भारत सरकार**

पर्यावरण एवं वन मंत्रालय

**राज्य सभा**

अतारांकित प्रश्न सं0 15

22-11-2011 को उत्तर के लिए

**''वन्य जीव संरक्षण परियोजनाओं का प्रभाव''**

**15 : श्री रामचन्द्र खूंटिआ :**

क्या **पर्यावरण और वन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या प्रोजेक्ट टाइगर, रिजर्व, एलिफेंट सफारी आदि के कार्यान्वयन के बाद वन्य प्राणियों की संख्या बढ़ रही है अथवा घट रही है ;

(ख) देश में जीवित वन्य प्राणियों की राज्य-वार और वन-वार संख्या क्या है ;

(ग) क्या सभी चिड़ियाघरों को बंद करने और वन्य प्राणियों को वनों में छोड़कर मुक्त किए जाने का कोई प्रस्ताव है ; और

(घ) क्या यह भी सच है कि वन आच्छादित क्षेत्रों का कम होना भी वन्य प्राणियों की संख्या घटने का एक कारण है ?

**उत्तर**

**पर्यावरण एवं वन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)**

**(श्रीमती जयंती नटराजन)**

(क) और (ख) प्रकृति में रह रहे वन्य पशुओं की आबादी में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहती है । वन्य पशुओं की गणना संबंधित राज्य/संघ शासित प्रदेश सरकारों द्वारा आवधिक रुप से की जाती है, जिसका मिलान केंद्रीय सरकार के स्तर पर नहीं किया जाता है । तथापि, पिछले गणना अभियानों में हाथी,बाघ, शेर और गैंडों जैसे वन्य पशुओं की अनुमानित संख्या में वृद्धि की सूचना मिली है । मंत्रालय में उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, उक्त प्रजातियों की राज्य-वार संख्या का अनुमान, अनुबंध में दिया गया है ।

(ग) ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है ।

(घ) वन्य पशुओं के वास-स्थलों की कमी से भी उनकी संख्या में कमी आयी है ।

**अनुबंध**

**'वन्यजीव संरक्षण परियोजनाओं का प्रभाव' के संबंध में दिनांक 22-11-2011 के राज्य सभा अतारांकित प्र0सं0 15 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध**

**\*\*\***

**प्रमुख महत्वपूर्ण प्रजातियों की संख्या का राज्य-वार अनुमान**

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **क्र0सं0** | **राज्य/संघ शासित प्रदेश का नाम** | **बाघ (2010)** | **हाथी****(2007)** | **गैंडा****(2009)** | **शेर****(2011)** |
|  |  | **अनुमान (संख्या)** | **निचली सीमा** | **उपरी सीमा** |  |  |  |
| 1. | अंडमान और निकोबार द्वीप समूह |  |  |  | लागू नहीं |  |  |
| 2. | आंघ्र प्रदेश | 72 | 65 | 79 | 28 |  |  |
| 3. | अरुणाचल प्रदेश | आकलन नहीं किया गया | आकलन नहीं किया गया | आकलन नहीं किया गया | 1690 | 2201 |  |
| 4. | असम | 143 | 113 | 173 | 5281 |  |  |
| 5. | बिहार | 8 (-)\*\*\* | (-)\*\*\* | (-)\*\*\* |  |  |  |
| 7. | छत्तीसगढ़ | 26 | 24 | 27 | 122 |  |  |
| 11. | गुजरात |  |  |  |  |  | 411 |
| 15. | झारखंड | 10 | 6 | 14 | 624 |  |  |
| 16. | कर्नाटक | 300 | 280 | 320 | 4035 |  |  |
| 17. | केरल | 71 | 67 | 75 | 6068 |  |  |
| 18. | मध्य प्रदेश | 257 | 213 | 301 |  |  |  |
| 19. | महाराष्ट्र | 169 | 155 | 183 | 7 |  |  |
| 20. | मणिपुर |  |  |  | शून्य |  |  |
| 21. | मेघालय |  |  |  | 1811 |  |  |
| 22. | मिजोरम | 5 (-)\*\*\* | (-)\*\*\* | (-)\*\*\* | 12 |  |  |
| 23. | नगालैंड |  |  |  | 152 |  |  |
| 24. | ओडिशा | 32 | 20 | 44 | 1862 |  |  |
| 26. | राजस्थान | 36 | 35 | 37 |  |  |  |
| 28. | तमिलनाडु | 163 | 153 | 173 | 3867 |  |  |
| 29. | त्रिपुरा |  |  |  | 59 |  |  |
| 30. | उत्तर प्रदेश | 118 | 113 | 124 | 380 | 29 |  |
| 31. | उत्तराखंड | 227 | 199 | 256 | 1346 |  |  |
| 32. | पश्चिम बंगाल | आकलन नहीं किया गया (उत्तरी पश्चिम बंगाल) | आकलन नहीं किया गया (उत्तरी पश्चिम बंगाल) | आकलन नहीं किया गया (उत्तरी पश्चिम बंगाल) | 300-250(उत्तरी पश्चिम बंगाल) | 128 |   |
| 33 | पश्चिम बंगाल दक्षिण |  |  |  | 25 |  |
| **34** | शिवालिक गंगेय भू-दृश्य | 353 | 320 | 388 |  |  |  |
| **35** | मध्य भारतीय भू-दृश्य | 601 | 518 | 685 |  |  |  |
| **36** | पश्चिमी घाट भू-दृश्य | 534 | 500 | 568 |  |  |  |
| **37** | पूर्वोत्तर पवर्तीय और ब्रह्मापुत्र भू-दृश्य | 148 | 118 | 178 |  |  |  |
| **38** | सुंदर वन | 70 | 64 | 90 |  |  |  |
|  | **कुल** | **1706** | **1520** | **1909** | **27669-27719** | **2358** | **411** |

*\*\*\* आबादी की कम संख्या के कारण सांख्यिकीय निचली/उपरी सीमाओं को अभी निर्धारित नहीं किया जा सका था ।*

\*\*\*\*\*\*\*\*\*\*